

प्रेषक,

अमरेंद्र सिन्हा,  
प्रमुख सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष  
लघु सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

लघु सिंचाई विभाग

देहरादून दिनांक: 18 जनवरी 2010

विषय:- केन्द्रपुरोनिर्धारित योजना "त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम" के अन्तर्गत योजनाओं हेतु धनराशि।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० 1173/ल०सि०/ ए०आई०बी०पी०/ 2009-10 दिनांक 26.11.2009 एवं भारत सरकार के पत्र दिनांक 29 अक्टूबर 2007, 8 फरवरी 2008 एवं 14 अगस्त 2008 तथा दिनांक 23 मार्च 2008 के क्रम में शासनादेश दिनांक 13 नवम्बर 2007, 21 फरवरी 2008, 11 अप्रैल 2009, 25 जून 2009 एवं दिनांक 30 अगस्त 2009 के द्वारा त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2007-08 एवं 2008-09 के लिए रुपये 58938.6850 लाख लागत की स्वीकृत 898 चालू योजनाओं हेतु केन्द्रांश के रूप में प्राप्त धनराशि के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में स्वीकृत बजट प्राविधान के सापेक्ष रुपये 732.83 लाख (रुपया सात करोड़ बत्तीस लाख तिरासी हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु श्री राज्यपाल महोदय आपके निर्वर्तन पर निम्न शर्तों के अधीन प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के अंतर्गत अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय योजनाओं की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति से सम्बन्धित शासनादेश संख्या 1144/11-2007-04(24)/2006 दिनांक 04.10.2007 में निहित शर्तों के अनुसार किया जायेगा।
2. स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल स्वीकृत योजनाओं के विरुद्ध पूर्ण करने हेतु ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है, तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
3. स्वीकृत धनराशि व्यय करने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्यों के प्रावधान सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
4. उक्त निर्गत स्वीकृति का व्यय प्राथमिकता के आधार पर उन्हीं योजनाओं में किया जाय जो प्रस्तावित राशि से शतप्रतिशत पूर्ण हो जाय तथा उक्तानुसार निर्गत स्वीकृति के सापेक्ष पूर्ण हुई योजनाओं की सूची शासन को उपलब्ध करायी जाय।
5. उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय, हस्तापुस्तिका, टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों-निर्देशों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रक्योरमेण्ट) नियमावली 2008 का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
6. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक

क्रमशः.....2

प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

7. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग निर्धारित समयान्तर्गत तक कर लिया जाय, कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय।
9. एआईडीबीपीडी की योजनाओं पर ध्यान करते समय भारत सरकार के दिशा निर्देशों का अनुपालन किया जाय।
10. प्रत्येक योजना पर शिलापट्ट/साईन बोर्ड लगाना सुनिश्चित किया जाय, जिस पर योजना का नाम, योजना की लागत, स्वीकृति का वर्ष, कार्य प्रारम्भ करने की तिथि आदि विवरण अंकित हो।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4702-लघु सिंचाई पर पूजीगत परिध्यय 800-अन्य व्यय-01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिर्धानित योजना (90 प्रतिशत कैपेक्स), 0104-त्वरित सिंचाई लान योजना (90 प्रतिशत केंद्रीय सहायता), 24- बृहद् निर्माण कार्य के नामे खाला जायेगा।

उक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-335(p)/XXVII-4/09 दिनांक 05.01.2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)  
प्रमुख सचिव

संख्या 59/11-2010-04(24)/2006/तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
2. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा0 मंत्री, लघु सिंचाई।
4. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केंद्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,

(एस0एस0टोलिया)  
अनु सचिव